आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 20.04.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

- अंडमान निकोबार द्वीप समूह में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का पांच दिवसीय समुद्री सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। मुख्य अतिथि डी जी पी हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने तटीय सुरक्षा पर विशेष बल दिया।
- राजधानी श्री विजयपुरम में विज्ञान केन्द्र बना अंतरिक्ष संचार प्रशिक्षण का केन्द्र। द्वीप समूह में पहली बार व्यवहारिक तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।
- ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत द्वीपों में प्राचीन पांडुलिपियों और अभिलेखीय सामाग्री के संकलन व संरक्षण के लिए व्यापक अभियान शुरू हुआ।
- कालीघाट थाना में अवैध मछली शिकार को रोकने में सहयोग देने के लिए पुलिस ने मछुआरों को सम्मानित किया।

<><><><><><><><>

नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, श्री विजयपुरम में आज से "समुद्री सुरक्षा एवं तटीय पुलिसिंग" विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इसका उद्घाटन अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पुलिस महानिदेशक हरगोबिंदर सिंह, द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण गीता रानी वर्मा भी उपस्थित रहीं। महानिदेशक ने अपने संबोधन में समुद्री सुरक्षा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए तटीय खतरों की जटिलताओं और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय, खुफिया जानकारी साझा करने तथा क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से 24 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, तटीय गश्त का व्यावहारिक प्रदर्शन तथा नॉर्थ बे में जल–आधारित परिचालन गतिविधियाँ शामिल हैं।

<><><><><><><><>

राजधानी श्री विजयपुरम के विज्ञान केन्द्र में आज "अंतरिक्ष संचार का व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य" विषय पर तीन दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला की शुरुआत हुई। यह कार्यशाला 22 अप्रैल तक चलेगी और इसका आयोजन डेसिबल, एकेडमी फॉर एप्लाइड स्पेस कम्युनिकेशन, बेंगलुरु के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव, राजनिश कुमार सिंह ने किया। उन्होंने विज्ञान केन्द्र के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि द्वीपों में पहली बार इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उभरते हुए क्षेत्र अंतरिक्ष संचार में व्यावहारिक अनुभव आवश्यक है। इस अवसर पर बेंगलुरु के यू. आर. राव उपग्रह केन्द्र के स्पेस सिमुलेशन इंजीनियर बी. ए. सुब्रमणि ने कार्यशाला में उपग्रहों की वास्तविक समय ट्रैकिंग, पास प्रेडिक्शन, हैम रेडियो, तथा उपग्रहों से प्राप्त मौसम चित्रों के रिसीव एवं डिकोडिंग जैसे विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय समन्वयक नरेश चफेकर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए विद्यार्थी विज्ञान मंथन का विवरण पत्र भी जारी किया। इस अवसर पर विज्ञान केन्द्र के शिक्षा अधिकारी देबाशीष पाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यशाला में लगभग साठ विद्यार्थी और शिक्षक भाग ले रहे हैं। आकाशवाणी से बात करते हुए विज्ञान केन्द्र के शिक्षा अधिकारी देबाशीष पाल ने कहा.....

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह के तीनों जिलों में 22 एवं 23 अप्रैल को टैबलेट आधारित फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी–2026 का आयोजन किया जाएगा। यह अध्ययन शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कक्षा 3 के अंत में विद्यार्थियों की प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्यात्मक क्षमताओं का आकलन करना है, जिससे क्षेत्र में प्रारंभिक शिक्षण परिणामों की स्पष्ट स्थिति प्राप्त हो सके। इस बार यह सर्वेक्षण पहली बार पूर्णतः टैबलेट आधारित प्रणाली से किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का आकलन कार्यक्रम एन सी ई आर टी के अंतर्गत कार्यरत 'परख' द्वारा संचालित किया जा रहा है।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत एक महत्वपूर्ण पहल प्रारंभ की गई है। इस मिशन का उद्देश्य देशभर में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों,

अभिलेखीय धरोहरों का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण तथा उन्हें सुलभ बनाना है। इसी क्रम में अंडमान निकोबार प्रशासन के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा भी द्वीपसमूह के तीनों जिलों में एक केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय अभियान शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य प्राचीन पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों, मानचित्रों, पुरानी तस्वीरों एवं अन्य अभिलेखीय सामग्रियों की पहचान, संकलन एवं संरक्षण करना है। विभाग ने नागरिकों, संस्थानों, विद्वानों एवं संग्रहकर्ताओं से अपील की है कि वे अपने पास उपलब्ध ऐतिहासिक महत्व की पांडुलिपियाँ, दुर्लभ दस्तावेज, व्यक्तिगत डायरी, पत्र, फोटो–निगेटिव, मानचित्र तथा अन्य अभिलेखीय सामग्री को साझा करें या दान करें, ताकि इन्हें ज्ञान भारतम् सर्वे ऐप पर डिजिटल रूप से संरक्षित किया जा सके। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सभी योगदानकर्ताओं को उचित मान्यता दी जाएगी तथा मूल सामग्री का स्वामित्व उनके पास ही रहेगा, जबकि केवल डिजिटल प्रतियाँ ही संग्रहित की जाएंगी। इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 94–76–037–145 पर जानकारी दे सकते हैं।

<><><><><><><>

मॉनसून से पहले तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पुलिस थाना कालीघाट द्वारा कल ग्राम पंचायत किशोरीनगर स्थित हॉल में एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किशोरीनगर, परंगारा, श्रीनगर एवं कलापहाड़ गांवों के मछुआरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसून अवधि के दौरान अवैध मछली शिकार (पोचिंग) गतिविधियों के विरुद्ध सतर्कता बढ़ाना और परिचालनिक तैयारी को सुदृढ़ करना था। इस दौरान मछुआरों को समय पर सूचना साझा करने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा किसी भी संदिग्ध विदेशी शिकारियों की गतिविधि या उपस्थिति की तुरंत सूचना स्थानीय पुलिस को देने की अपील की गई। साथ ही उन्हें ऐसे तत्वों के साथ किसी भी प्रकार के वस्तु या समुद्री संसाधनों के आदान–प्रदान से सख्ती से बचने की सलाह दी गई। हाल ही में सफल एंटी–पोचिंग अभियानों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 8 मछुआरों को पुलिस मुख्यालय द्वारा स्वीकृत नकद पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 मछुआरों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार राज्य ओलंपिक संघ एवं उसकी संबद्ध इकाइयों द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान खेल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर राजधानी श्री विजयपुरम के साथ–साथ मुख्य भूमि एवं विदेशों के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। इसमें बैडमिंटन, रग्बी, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, तीरंदाजी एवं बास्केटबॉल सहित कई प्रमुख खेल विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य ओलंपिक संघ ने इच्छुक प्रतिभागियों से इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। पंजीकरण केवल गूगल फॉर्म के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी पंजीकरण लिंक प्राप्त करने के लिए 99–33–248–121 पर व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>